3. Shankargarh
4. Balrampur
5. Bharatpur
6. Baikunthpur
7. Chandramedha
8. Ramchandrapur
9. Sitapur

43. Tikamgarh
—Nil—

44. Ujjain
1. Tarana

45. Vidisha
—Nil—

धम्रपान के हानिकारक प्रभावों का अध्ययन

2946. **डा० रत्नाकर पाण्डय :** क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कैंसर तथा अन्य रोगों के जनक धूम्रपान के हानिकारक प्रभावों के संबंध में किए गए प्रचार के धूम्रपान करने वालों पर पड़े असर के बारे में कोई अध्ययन किया गया है ;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या निष्कर्ष रहे, और

(ग) इन निष्कर्षों के आधार पर धूम्रपान - निषेध कार्यक्रम में क्या-क्या परिवर्तन किए गए हैं ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी सरोज खापर्डे) : (क) भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद धूम्रपान और तम्बाकू उत्पादों के उपयोग से होने वाले खतरनाक प्रभाव के बारे में लोगों को शिक्षा देने के उद्देश्य से परियोजना चला रही है। उनकी मानीटरिंग कर रही है।

(ख) टाटा फण्डामेंटल रिसर्च इंस्टिट्यूट के बेसिक डेंटल अनुसंधान यूनिट में 1977 से भारत के ग्रामीण लोगों में मुंह का कैंसर और कैंसर पूर्व की क्षतियों पर किए गए अध्ययन से लोगों में तम्बाकू पीने की आदतों में परिवर्तन होने का पता चला है।

(ग) मौजूदा सांविधिक उपायों के अलावा, तम्बाकू उत्पादों के उपयोग के नियंत्रण के लिए प्रस्तावित सांविधिक उपायों में निम्नलिखित शामिल हैं :—

1. बीड़ी, चबाने के तम्बाकू, पाइप तम्बाकू, सिगार, तम्बाकू - आधारित पान-मसाला गटका, तम्बाकू आधारित टूथ पाउडर/टूथपेस्ट इत्यादि जैसे अन्य तम्बाकू उत्पादों पर भी मौजूदा सांविधिक चेतावनी को लागू करना।

2. सभी किस्म के तम्बाकू वाले उत्पादों पर तथा जहां तक सम्भव हो जिन डिब्बों या पैकेटों में ये तम्बाकू वाले उत्पाद रखे जाते हैं, उनपर "धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है" नामक वर्तमान सांविधिक चेतावनी के अलावा अन्य प्रभावकारी नारों का उपयोग करना।

3. प्रत्येक सिगरेट पैकेट, डिब्बे और प्रत्येक तम्बाकू उत्पाद के विज्ञापन पर क्रॉसबोन्स और खोपड़ी जैसे सर्वविदित खतरे के चिन्ह का उपयोग करना।

4. बिक्री के लिए निकासी-बिन्दु पर दो भाषाओं में जैसे अंग्रेजी और हिन्दी या क्षेत्रीय भाषा में सांविधिक चेतावनी छापना।

5. धूम्रपान और तम्बाकू उत्पादों के उपयोग के विज्ञापन और प्रचार पर नियंत्रण।

Modified Treatment for Diabetes

2947. SHRI SURESH PACHOURI: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether there are about 60 million diabetic patients in the world of whom about 18 million are in India;

(b) whether synthetic insulin or pig-pan creas insulin or any other new alternatives such as insulin are produced by genetically engineered bacteria or modified porcine insulin; and